Test the spirits
आत्माओं को परखों
आत्माओं को परखों

हम लूथरन अंगीकार कलीसिया के लोक उन व्यक्तियों को हमारे कलीसिया में नहीं लेते हैं जो परमेश्वर से दर्शन और सच्चाई का ऊपर ओर सच्चाई का ऊपर वहाँ उस को चंगा कर सकें। हम स्वीकार करते हैं। हम सारे महिमा परमेश्वर को ही देते हैं उन सब कामों के लिए जो वह हमारे माध्यम में अपनी सच्चाई का ऊपर वहाँ उस को करने के लिए है। परमेश्वर अपने प्रेरितों और सेवकों माध्यम बनाता है उन बड़े बड़े कामों को करने के लिए। परमेश्वर चमकाकर करने का सामर्थ्य रखता है। वह, हमारे प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार का शक्ति से सब को बचाता है। चाहे यह एक छोटा बच्चा की सुसमाचार के अनुसार वित्ता के द्वारा हो या एक बड़ा व्यक्ति सुसमाचार की सामर्थ्य अनुसार मन किस के द्वारा है। वह परमेश्वर का वचन है जो एक मनुष्य का विश्वास को ढूँढ करता है; और परमेश्वर का वचन का सामर्थ्य ही उसे पत्ता संस्कारों के लिए, वित्ता के लिए, तथा प्रभु योज के लिए तयार करता है।

यह सब कामों में हम महत्त्व परमेश्वर का सामर्थ्य का ऊपर ही देते हैं। यह सारे काम बाईबल का सामर्थ्य वचन से ही सम्बन्धित होता है। हमारे प्रभु यीशु हमें सिखाया कि यदि हम उसका वचन में बने रहेंगे तो उसका चैले कहलाएगे। तब हम परमेश्वर के वचन जो सत्य है जानेंगे और सत्य हमें स्वतंत्र करेगा। यूहेन 8 : 31-32 परमेश्वर का वचन का चमकाकर करनेवाला सामर्थ्य के बारे में हम इब्रानियों 4 : 12 में पढ़ते हैं “क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित, प्रभु और किसी भी दोषार्थी तलवार से तेज है। वह प्राण और आत्मा, जोड़ों और गुड़ दोनों को आराम बहुत और मन के विचारों तथा भावनाओं को परखता है।” इब्राहिम 4 : 12 प्रेरित पौलस सुसमाचार को हमारे उदार के लिए परमेश्वर
का सामर्थ के रूप में रोमिया। 1 : 16 में बताते हैं। यह परमेश्वर का वचन का सामर्थ्य है जिसके बारे में हम इस पत्री में भी पढ़ते हैं। जब आप परमेश्वर का वचन का अध्ययन करते हैं तो पवित्र आत्मा जो परमेश्वर का वचन माध्यम से काम करता है, परमेश्वर का वचन की सामर्थ आपका विश्वास को भी दूर करें।

आत्माओं को परखें :

प्रेरित यहूदिया हम से आग्रह करता है कि हम हर आत्माओं का विश्वास न करे परन्तु हम उनका परखे कि वे परमेश्वर की ओर से हैं या नहीं। 1 यहूदिया 4 : 1 हम कैसे आत्माओं का परख कर सकते हैं? परमेश्वर के वचन की प्रकाश के द्वारा ही हम परख सकते हैं। परमेश्वर का वचन का प्रकाशन हमें परख ने का सामर्थ्य देता है जिस से हम समझ पाते कि अन्य भाषाओं, भविष्यवाणियां, चंगाई, दर्शन और सपनों परमेश्वर की ओर से है या नहीं। परमेश्वर का वचन के द्वारा ही यह पहचान कर सकते हैं कि कोन सा सही है और कोन सा गलत। प्रेम की प्रेरित यहूदिया हमसे यह कहता है कि हम झूठे नवींों से साक्ष्य रहे और झूठा मसीह की चाल में न फरसे। यहूदिया 2 : 18-27 यहूदिया 4 : 1-61.

यह प्रेम का एक काम है कि हम इस पत्रका का पुष्टि करे और वितरण करे कि पढ़नेवाले उस झूठा आत्मा जो भ्रमानेवाली है उस से बचकर सच्चाई का आत्मा को पहचानें।

आत्मिक बर्दाने :

कुछ लोग यह कहते हैं कि पवित्र आत्मा का वर्दान से प्रारम्भिक कसीलियों में जो जो चमत्कार होते थे वे आजकल की कल्लीखिया में भी हो सकता है। सब से पहले हम पहचान करे कि पवित्र आत्मा का वर्दानों में से कोन कोन सा बड़ा है। किसी का भी तालिका में यह नहीं है सब से बड़ा वर्दान यह है जिसमें कहा गया है - “पवित्र आत्मा को प्रहण करो! आप जिसका पाप को क्षमा
(2) छोटे वरदाने। आज भी हम अपनी उद्दार के लिए और मसीह जीवन की बढ़ती के लिए बड़े वरदानों का सहारा लेना चाहिए। छोटे वरदानों के द्वारा चमत्कार का मुख्य उद्देश्य।

बाइबल में इस के बारे में एक मुख्य वचन है वह है मरकुस 16:20।
“और उन्होंने जाकर सब जगह प्रचार किया, और प्रभु उनके साथ काम करता रहा, और वचन को उन चिन्हों के द्वारा साथ साथ होते ते, दृढ़ करता रहा।” प्रेतितों के द्वारा किया गया चमत्कारों और चिन्हों वचन को दूर किया। देखने वाले कहने लगे यह परमेश्वर का सामर्थ्य वचन का काम है जिसका प्रचार इन परमेश्वर के में कोई ने किया। वे वचन से दूर नहीं गए परन्तु परमेश्वर का वचन का सामर्थ्य को उन्होंने स्वीकार किया। बाइबल का आखिर पुस्तक प्रकाशित वाक्य में परमेश्वर का सारे प्रकाशण मोजूद है। परमेश्वर का समस्त प्रकाशण इस पुस्तक में दिया गया है। इस लिए दर्शन, सपन और अन्य भाषाओं द्वारा भविष्यवाणी के कोई प्रकाशण का आवश्यक नहीं है। बाइबल सत्कर करती है कि परमेश्वर के प्रकाशण में कुछ जोड़ना नहीं चाहिए। प्रकाशित वाक्य 22:18 “में प्रत्येक को जो इस पुस्तक की नमूनता के वचनों को सुनता है गवाही देता है; यदि कोई इसमें कुछ बढ़ाएगा तो परमेश्वर इस पुस्तक में लिखी विरोधियों को उस पर बढ़ाएगा।” हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा किया गया चमत्कारों जैसे चंगाई और दुष्ट आत्माओं को निकालना इत्यादि के बारे में हम क्या कहें। इन चमत्कारों के द्वारा इस से पीड़ित लोग को छुटकारा और मदद मिली और परमेश्वर का प्रेर और सामर्थ्य का प्रकट हुआ। यह चिन्ह और चमत्कार वह परमेश्वर का पुत्र का प्रभाव दिया। क्या कोई मनुष्य यीशु मसीह के समान चमत्कार कर सकता है? प्रेतित यूहृता यीशु के बारे में लिखता है “और वचन, जो अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण था, देखाया हुआ, और हमने उसकी ऐसी महिमा देखी जैसी पिता के एकलोटे की महिमा।” यूहृता 1:14. प्रभु यीशु मसीह के द्वारा किया गया चिन्हों और चमत्कार परमेश्वर का वचन देखाया हुआ इस वचन का
करोगे उसको क्षमा दिया जाएगा फिर आप जिसका पाप रख छोड़ोगे वह उसके लिए रख छोड़ा जाएगा। यूह 20 : 22-23 सबसे पहले प्रेरितों ने हमारे प्रभु से अपने अपने पापों से क्षमा पाए कि उनको यह अधिकार दिया गया। सबसे बड़ा वर्णन तो पाप क्षमा कि वर्णन है। उसके पीछे अन्य वर्णन हैं जैसे पवित्र परमेश्वर देता है। कुरिश्चियों की कल्पिताओं में आत्मा की वर्णनों को पहचान में कठिन था क्योंकि वे वचन का पालन करने में कमजोर थे। पौल लिखता है "बड़ा वर्णनों के लिए हमेशा चाहते रखो। 1 कुरिश्चियों 12 : 31 बड़े से बड़े वर्णनों का तालिका इस अध्याय का 23 वाँ वचन में पौल द्वारा सजाया गया है। वह उन वर्णनों को पहला, आत्मीक वर्णनों में थे वे वह है जो एकमात्र एक नवी ओर शिक्षक के रूप में खोज करने की समयांतर होते हैं। यह तीन वर्णन सब के सब वचन के द्वारा आधारित है। वचन ही सब वर्णनों का भंडार है और आधार भी है। कारण वचन के द्वारा विश्वास रूपी ज्ञान उभर होकर इस पापमय दुनिया में चमकता है। परमेश्वर का वचन की अध्ययन के द्वारा आत्मीक वर्णनों विश्वास, भरोसा और प्रेम का प्रकट होता है। पौल अपनी पत्री 1 कुरिश्चियों का 13 अध्याय में प्रेम के बारे में बताता है, इस अध्याय में वह बताता है कि अन्य भाषा की वर्णन का समाप्ति है जाएगा। उसके बाद वह 1 कुरिश्चियों की पत्री 14 अध्यायों अन्य भाषाओं के बारे में स्पष्ट रूप से बताता है। कारण अन्य भाषाओं के बारे में स्पष्ट रूप से बताता है। कारण अन्य भाषाओं के बारे में कुरिश्चियों के कल्पिताओं में विवाद और भ्रम था। आज भी जैसे कुछ कल्पिताओं के मध्य है। अन्य भाषाओं के बारे में जो भ्रम में है वे सब 1 कुरिश्चियों की पत्री का 14 अध्याय का अध्ययन अभी तरीका से करना चाहिए। ऊँचा पौल अन्य भाषा कि वर्णन को छोटे वर्णन की रूप में वर्णन करता है। "फिर भी कल्पिताओं में अन्य भाषा में इस हजार शब्दों की अपेक्षा अपनी बुद्धि से पांच शब्द ही बोलना उत्तम समझता हूँ कि दूसरों को भी शिक्षा दे सकूँ।” 1 कुरिश्चियों 14 : 19. प्रेरितों के युग में वर्णनों दो प्रकार के हैं, वे है (1) बड़े वर्णनों और
प्रमाण है सर्वप्रकृति मर्यादा अपनी सामर्थ्य वचन के द्वारा मानव जाति को बचना चाहता है। यीशु मुन्या का रूप धारण किया और स्वर्गपथ का संदेश प्रचार किया चिन्ह और चमकारों के साथ तो उस चिन्ह और चमकार परमेश्वर का सामर्थ्य का प्रकट किया और मुन्या परमेश्वर की ओर निहारने का संकेत दिया। जब प्रेरितों को चिन्ह और चमकार का अधिकार दिया गया तो वे भी यह कहे कि "यह परमेश्वर का वचन का सामर्थ्य और प्रकाशन है।" इब्राइव। की पत्री का लिखनेवाला लिखता है "इस कारण, हमें चाहिए कि जो कुछ हमने सुना है, उस पर और अधिक गहराई से ध्यान दें, ऐसा न हो कि हम उससे भटक जाएं। तो हम ऐसे महान उद्दार की उपेक्षा कर के केसे एक संबंध इसका वर्णन सर्वप्रथम प्रभु द्वारा किया गया और इसकी पुत्री सुनने वालों ने हमारे लिए की। परमेश्वर ने भी चिन्हों, चमकारों और विवेष प्रकाश के आदर्शकमाओं तथा अपनी इच्छा के अनुसार पवित्र आत्मा के वरदानों के द्वारा इसकी साधकी की।" इब्राइव। 2:1, 3-4, परमेश्वर चमकारों का यह गवाही देता है कि यह उसका वचन का सामर्थ्य कि कार्य है।

बाइबल की व्यवस्था का अब अन्त हुआ है। परमेश्वर का समस्त ध्वनि और भेद की बात उनका वचन के द्वारा हमें दिया गया है। हम बाइबल का ठहरा चाहिए, अध्ययन करना चाहिए, सोचना चाहिए, उसका आदर और विश्वास करना चाहिए तथा पालन करना चाहिए। कारण बाइबल में ही हमारे अनन्त उद्दार और साथी आशियों का दर्शाया गया है। वह सब कुछ हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें उपलब्ध है।

कल्पित और झूठा चिन्ह और चमकार:

झूठा चिन्ह और चमकार शेतान का चाल है। लोगों को भ्रमण के लिए जिन मनुष्यों को शेतान इस्तेमाल करता है वे अपनी नाम और यश कमाने के लिए करते हैं। पत्र के पाश आकर जादूतना करनेवाले शिमन अपनी चाल से सोचता है कि
वह यह वरदान चाल से पतरस से प्राप्त करे और अपनी आप को बड़ा और महान बनाए। "परम्पर हमने लज्जा के गुल़ कायों को त्याग दिया है और धूर्तता से नहीं चलते, न परमेश्वर के वचन में मिलाकर करते हैं। परम्पर सत्य को प्रकट करने के द्वारा हम, परमेश्वर के सम्प्रति प्रत्येक मनुष्य के विवेक में अपने आप को भला ठहराते हैं। हम तो अपना नहीं पानु मसीह यीशु का प्रचार करते हैं कि वह प्रभु है, और अपने विश्वे में यह कहते हैं कि हम यीशु के कारण तुम्हारे दास हैं" 2 करिपियों: 4:2, 5. पौलस का समय से लेकर हमारे समय तक मनुष्य अपनी ही नाम कमाना चाहता है। उन झूठे चमत्कारों के द्वारा। यह चमत्कार कुछ भी नहीं केवल झूठ है, लोगों को पाप में फँसाने के लिए और ये सब मनुष्य की उस गद्दे विचारों से जो उसका आरम्भ से ही है मनुष्य अपनी उस विचारों के द्वारा इन गलत, नकली चमत्कार के द्वारा लोगों को अपनी जाल में फँसाता है। यह लोक शेतान के हाथ में पाप के हतियार के रूप में उपयोग में लाया जाते हैं। शेतान चाल से इन लोगों को अपनी झूठे चमत्कारों के लिए इस्तेमाल करता है। वह शुरू से झूठा है और धक्का देने वाले झूठ का पिता है। प्रेरित पौलस शेतान के बारे में लिखता है "जिनमें तुम पहले इस संसार की रीति और आकाश में शासन करने वाले अधिकारी अर्थात् उस आत्मा के अनुसार चलते थे जो अब भी आजा न मानने वालों में क्रियाशील है। परमेश्वर हमें मसीह यीशु में उसके साथ उठाया और स्वर्गीय स्थानों में बैठाया। क्योंकि हम उसके हाथ की कारगरी हैं, जो मसीह यीशु में उन भले कायों के लिए सुजे गए हैं जिन्हें परमेश्वर ने प्रारंभ ही से तैयार किया कि हम उन्हें करें। इस कारण स्मरण करो कि तुम जो शरीरिक रीति से अन्यजाति हो और जो लोग शरीर में हाथ के लिए हूं खतने से खतनावले कहलाते हैं, वे तुम को खतना रहित कहते हैं।" इफ़िसियों: 2:2, 6, 10-11, में और मसीह विरोधी के बारे में 2 विस्सलुनियों: 2:9-10 में। "उस अथवा का आना नाश होने वालों के लिए, शेतान की गतिविधि के अनुसार सम्पूर्ण सामर्थ, चिन्ता, झूठे आश्चर्यकर्मों और दुष्टता के हर धोके के साथ होगा, क्योंकि उन्होंने सत्य के प्रेम को ग्रहण नहीं किया कि उनका उद्देश्य हो।"
ब्यक्ति गत रूप में :

आजकल कि झूठा ब्यक्तिगत रूप में चमत्कार का आईए ध्यान करेंगे।
अधिकतर से उपयोग में आनेवाला पहला विषय है अन्य भाषा की वर्तमान; अन्य भाषा का अर्थ है कि एक ब्यक्ति अपने को नही मालूम वाला भाषा आत्मा के द्वारा बोलता है। इस विषय को आदि तरीका से समझ ने के लिए आईए पेंटेक्स्ट दिन का अनुभव को उदाहरण कि तौर से देखेंगे। प्रेमितों के काम 2 अध्याय में हम पढ़ते हैं कि प्रेमितों ने जो जेरुसलेम में पेंटेक्स्ट का पर्व मनाने आए थे; वे आत्म में होकर अपनी को नही मालूम वाला भाषाओं में परमेश्वर का धन्यवाद और स्तुति करते थे। “वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और जैसे आत्मा ने उन्हें बोलने की सामग्री से वे अन्य अन्य भाषाओं में बोलने लगे।” प्रेमितों के काम 2 : 4. दुनिया के विपक्ष जाति और प्रान्त के लोग जो पर्व में आए थे वे प्रेमितों के द्वारा अदृश्य रूप से अपनी अपने भाषा में परमेश्वर का धन्यवाद और प्रशंसा करता हुआ सुने। इस अन्य भाषा का लक्षण यह कि यह बोलने वाला को मालूम नही होता है परंतु दुनिया के अन्य लोगों द्वारा बोला जानेवाला भाषा होता है। अन्य भाषाओं के बारे में सर्व प्रथम पेंटेक्स्ट का दिन में ही जानकारी मिलता है। उसके बाद हम विश्वसा देनेवाला यूहुः न चेले के द्वारा करणिकूस ने घर में अन्य भाषा के बारे में देखते हैं।

सत्य और चवन के अनुसार अन्यभाषा अन्यलोग के द्वारा बोला जानेवाला भाषा होना जरूरी है। कुरानीयों के कल्लेश्वरों में अन्य भाषा के बारे में विवाद और समझ की कमी था। इसलिए पोलुस ने यह कहा था कि अन्य भाषा का अर्थ करनेवाला भी होना चाहिए। “यदि कोई अन्य भाषा में बोले तो दो व्यक्ति से अधिक से अधिक कोण जन क्षम से बोलें, तथा एकव्यक्ति अनुवाद करें। परंतु यदि अनुवादक न हो तो वह कल्लेश्वर में चुप रहे, तथा अपने आप से और परमेश्वर से बोले।” 1 कुरानीयों 14 : 27-28. कुछ लोग अन्य भाषा कहकर उसका अनुवाद भी वे खुद ही करते हैं, परंतु अनुवाद के लिए दूसरा कोई होना
अच्छा होता है। प्रेरितों के समय में अन्य भाषा के द्वारा कोई रुकावट नहीं होता था जैसे आज-कल की कुछ कलनिसियों में होता है। इसलिए पौलस फिर से कहता है - “भाषायो, फिर क्या करना चाहिए? जब तुम एकत्र होते हो तो प्रत्येक के मन में भजन या उपदेश या प्रकाशण या अन्य भाषा या अन्य भाषा का अनुवाद होता है। सब कुछ आत्मिक उद्देश्य के लिए होना चाहिए। क्योंकि परमेश्वर गड़बड़ी का नहीं भरना हुआ नहीं शान्ति का परमेश्वर है, जैसा कि पवित्र लोगों की सब कलनिसियों में है।” 1 कुरिश्चियों 14 : 26, 33. दूसरा विषय यह है कि चंगाई के नाम से भी झूठा चमत्कार आजकल देखा जाता है। हम यह विश्वास करते हैं, समस्त डॉक्टरों के द्वारा असम्भव बीमार को परमेश्वर अपनी अनुभूत सामर्थ्य के द्वारा चंगा कर सकता है। हम यह भी विश्वास करते हैं कि हमारे प्रार्थनाओं को सुनकर परमेश्वर चंगा करता है। यह चंगा के अनुसार है। परंतु हम बीमारियों का ऊपर हाथ रखने के द्वारा परमेश्वर चंगा करता है यह एक प्रश्नों किन्तु क्यों कि बाद है। “चंगा हो जाओ” इस बात से चेताते हैं कि हम उस व्यक्ति का चंगाई के लिए परमेश्वर से विनिर्देश करें। आज कोई हिम्मत से यह कह सकता है कि उसका दर्शन जिस का ऊपर पड़े वह चंगा हो जाएगा? या उसका रूपमाल द्वारा चंगाई प्राप्त कि जा सकता है जैसे प्रेरितों के समय होता था।

तीसरा; दर्शन और सपन के नाम से आजकल बहुत सी झूठी चमत्कार का देखा जा सकता है। क्या कोई गुणित या जादुई अवसर तितली में आकर परमेश्वर की ओर से एक दर्शन या सपना का प्रकट कर सकेगा? बाइबल स्पष्ट रूप से बताते हैं कि हम दिव्य प्रकाश के साथ वह तोड़ नहीं सकते।

पुराना नियम के झूठा सपन दर्शन के बारे में व्यक्तव्य विवरण का 13 अध्याय को अच्छी रूप से पढ़ीए। आजकल कुछ लोग दुष्ट आत्माओं को भगाने का दावा करते हैं। लेकिन यह सही है हम यीशु मसीह का नाम से बचन की सामर्थ्य से उस दुष्ट आत्माओं को निकाल सकते हैं जो लोगों का अन्दर धुसर कर
उनको परेशान करते हैं। हमारे साथ प्रार्थना का सामर्थ्य है जैसे बाइबल बताती है कि धर्मी जन की प्रार्थना से बहुत कुछ हो सकता है। “इसलिए तुम परस्पर अपने पापों को मान लो और एक दूसरे के लिए प्रार्थना करो, जिससे कि चंगवाई प्राप्त कर सको। धर्मी जन की प्रभावशाली प्रार्थना से बहुत कुछ हो सकता है।” याकूब 5:16।

प्रश्नों:

अगर आजकल की कल्लीसिया में भी प्रेरितों के दिनों की चमत्कार को करनेवाला सामर्थ्य वरदान है करके कहा जाता है तब कुछ ऐसा असम्भव प्रश्नों है जिसका उत्तर देना पड़ेगा। तब क्या कुछ ही वरदान है? क्यूं सब कुछ वरदान नहीं? कौन एक खतरनाक शाप को मरक्कुस 16:18 के अनुसार हाथ में उठा सकेगा? हम में से कोई है जो प्राण नाशक पदार्थ का पान करेगा और उसका कुछ हानि नहीं होगा? मरक्कुस 16:18 के अनुसार प्रेरितों कि काम के 28:3-6 में पढ़ते हैं कि प्रेरित पौलस को विषमय साप काटना परन्तु उसका कुछ नुकसान नहीं हुआ। आजकल कौन है जिस को साप काटेगा और उसका कुछ नहीं होगा?

क्यों, यह चमत्कार का वरदानों कुछ कल्लीसियाओं में ही है? क्यों सब कल्लीसियाओं में नहीं? इस प्रकार अनेक प्रश्नों पूछ जा सकता है जिसका उत्तर किसी मनुष्य के पाश नहीं। हम वचन के अनुसार आत्माओं को परखे, क्योंकि समय बुरा है और शैतान बहुत होशियार है।

वास्तविक सामर्थ परमेश्वर का वचन में है।? हम गलत या झूठी चमत्कारों के द्वारा परमेश्वर से हमारे विश्वास को दूर करना नहीं चाहते हैं। हम इस प्रकार झूठी चमत्कारों से महान बनना और नाम कमाना नहीं चाहते हैं। शैतान का शक्ति और इस अन्तिम दिन में उसका झूठी चालों को हम अच्छी तरीका से पहचानते हैं। हम लूथरन लोक बाइबल का आराधना नहीं करते हैं परंतु उस परमेश्वर का
आराधना करते जिसने हमें पवित्र बाइबल दिया। उसका वचन पवित्र और सामर्थ्य है। पवित्र सात परमेश्वर का प्रेरणा से रचा गया है। हम जब पवित्र आत्मा के द्वारा लिखा गया, बाइबल को प्रारंभ के साथ और भय के साथ अध्ययन करते है तो पवित्र आत्मा हमें हर सच्चाई से हमारा आगवाई करता है। हम गलत आत्मा का रोक लगाते हैं। परमेश्वर का वचन जीवित और सामर्थ्य है। वचन हमें जीने का सामर्थ्य देती है। वचन के साथ हम उस अननत वचन को भी जानते हैं जो देहथारी होकर हमारे बीच जन्म हुआ, हमने उस पर विश्वास किया और उसने हमारा उद्दार किया।

हमारे प्रभु यीशु मसीह ने प्रतिज्ञा की है। तुम में आत्मा बास करेगा जो वचन के अनुसार तुम्हें काम करेगा। मेरा सारे शिक्षाओं को वह तुम्हारे स्मरण में लाएगा चह तुम्हें शिक्षा देगा और समस्त सत्य में तुम्हारा आगवाई करेगा।

समस्त महिमा परमेश्वर को ही मिले। “आमीन”